उत्तराखंड का एबॉट माउंटेन

चर्चा में क्यों?

एबॉट माउंटेन उत्तराखंड की खूबसूरत **हमिालय शृंखला** में चंपावत ज़लि के लोहाघाट शहर में है।

मुख्य बदि:

- एबॉट माउंटेन ऐतिहासकि महत्त्व रखता है, जसिका नाम **ब्रटिशि सर्जन डॉ. जेम्स एबॉट** के नाम पर रखा गया है, जन्होंने ब्रटिशि राज के दौरान कुमाऊँ के आयुक्त के रूप में कार्य कयिा था। इस भव्य शखिर के माध्यम से क्षेत्र के वकिास में उनके योगदान को याद कयिा जाता है।
- अपनी प्राकृतकि सुंदरता के अलावा एबॉट माउंटेन **साहसकि प्रेमयिों** के लयि स्वर्ग के रूप में भी कार्य करता है।
- यह क्षेत्र ववििध प्रकार की वनस्पतयिों और जीवों का नविास स्थल है, जनिमें दुर्लभ हमिालयी प्रजातयिाँ जैसे **कस्तूरी मृग, हमिालयी काले भालू** और वभिन्नि प्रकार की पक्षी प्रजातयिाँ शामलि हैं।

//

भारतीय हमिालय क्षेत्र

- IHR में **भारत के दस राज्यों और चार पहाड़ी ज़लिों** जैसे जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हमिाचल प्रदेश, सक्किमि, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणपिुर, मज़िोरम, नगालैंड, त्रपिुरा और असम में दमिा हसाओ, कार्बी आंगलोंग तथा पश्चमि बंगाल में दार्जलिगि, कलम्पिोंग के पहाड़ी ज़लि शामलि हैं।
- अनयिंत्रति मांग-संचालति आर्थकि वकिास ने अव्यवस्थति शहरीकरण, पर्यावरणीय क्षरण और बढ़ते जोखमिों तथा कमज़ोरयिों को उत्पन्न कयिा, जसिसे हमिालयी पारस्थितिकिी तंत्र के अद्वतिीय मूल्यों से गंभीर समझौता हुआ है।
- आर्थकि वकिास पर ध्यान देने के अलावा भारतीय हमिालय के सतत् वकिास के रोडमैप को प्रासंगकि **सतत् वकिास लक्ष्यों (SDG)** के साथ समन्वति करने की आवश्यकता है।
- इसलयि हमिालय में वकिास पूरी तरह से क्षेत्र के **पर्यावरणीय, सामाजकि-सांस्कृतकि और पवतिर सद्धिांतों** में अंतर्नहिति होना चाहयि।